अत्यतं गोपनीय - के वल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना HISTORY

SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/4/2

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

MARKING SCHEME HISTORY-027

CLASS XII

AISSCE, MARCH 2020

CODE NO. Set-61/4/2

Q.NO	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक	PAGE NO.	MARKS
	भाग- A		
1	**कुषाणों द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के** - वे सोने के सिक्के जारी करने वाले पहले शासक थे। उनके सोने के सिक्के रोमन और पार्थियन शासकों द्वारा जारी किए गए के समान थे। **गुप्त शासको द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के** सबसे शानदार थे और शुद्धता के लिए जाने जाते थे और लंबी दूरी के लेनदेन के लिए उपयोग किए जाते थे।	Pg 45	1
2	**c** – (1),(4),(3) और (2)	Pg 173	1
3	कौटिल्य (चाणक्य) या चंद्रगुप्त मौर्य	Pg 32	1
4	जजमानी प्रणाली	Pg 205	1
5	जॉन मार्शल	Pg 20	1
6	**d**-.- उन्होंने धम्म के माध्यम से समाज का कल्याण किया	Pg 47	1
7	**c**- 1,2 & 3	Pg 16	1
8	कुषाण राजा की की बलुआ पत्थर से बनी मूर्ति (कनिष्क) दृष्टिबाधितों के लिए··· सिक्के / . मूर्ति / शिलालेख / आदि (कोई)	Pg 37	1
9	**a**- राजगृह	Pg 31	1
10	**a** – वह मुहम्मद बिन तुगलक के साम्राज्य के दौरान काजी था	Pg 118	1
11	**a**- मोंटेस्कूयू	Pg 132	1
12	मनसबदारी प्रणाली	Pg 214	1
13	**d** – (i)-b, (ii) – c, (iii) – a, (iv)- d	Pg. 202,213	1
14	जीन बैप्टिस्ट टवेर्नियर	Pg- 122	1
15	फोर्ट विलियम्स या फोर्ट सेंट जॉर्ज	Pg 324	1
16	**c**- जोसेफ नोएल	Pg-309	1

17	**d-** इसके आंकड़ों को समान रूप से सभी राज्यों से समान रूप से एकत्र किया गया था	Pg 220	1
18	**a-** केवल (1) और (2)	Pg 321	1
19	**a-** दोनों (A) और (R) सभी सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है	Pg 339	1
20	**a-** वाजिद अली शाह एक अलोकप्रिय शासक थे	Pg 296	1
	PART- B		
21	**रैयतवारी प्रथा और रैयत** i. राजस्व को रैयतों के साथ व्यवस्थित किया गया ii. राजस्व की मांग इतना अधिक था कि रैयत भुगतान करने में सक्षम नहीं थे। वे अपने गांवों को छोड़कर पलायन कर गए। iii. कलेक्टरों ने रैयतों से भुगतान को अत्यंत गंभीरता से लिया। iv. ऋण का भुगतान करने में असमर्थता के कारण फसलों की जब्ती हुई और पूरे गांव पर जुर्माना लगाया गया। v. रैयतों ने ऋणदाताओं से उच्च ब्याज दर पर ऋण उधार लिया। vi. रैयत क़र्ज़ में डूब गए vii. रैयत साहूकारों को कुटिल समझते थे viii. बांध पत्रों में जाली आंकड़े देते थे ix. सीमा कानून, प्रथागत कानूनों का उल्लंघन किया गया। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी तीन बिंदु उदाहरण के साथ	Pg 278	3
22	**विरुपाक्ष मंदिर की विशेषताएं** i. मंदिर के संरक्षक देवता विरुपाक्ष और पम्पादेवी थे। ii. मंदिरों को अध्ययन केंद्र के रूप में कार्य किया जाता है। iii. धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में मंदिर। iv. शाही प्राधिकरण की विशाल पैमाने की संरचना। v. शाही द्वार या शाही गोपुरम vi. मंडप vii. हॉल को नक्काशीदार खंभों से सजाया गया है viii. केंद्रीय स्थल या गर्भगृह ix. मंदिर में बने हॉल विभिन्न प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाते थे। x. वहाँ पर देवताओं के विवाह संपन्न हुए	Pg-186-187	3

	xi. दोनों और स्तम्भ वाले मंडप छोटे-छोटे मंदिर थे। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या		
23	**गोबिंद बल्लभ पंत ने पृथिक निर्वाचिका को अल्पसंख्यको और राष्ट्र के लिए खतरनाक माना** i. उन्होंने खुले तौर पर पृथिक निर्वाचिका को खारिज कर दिया और घोषणा की कि यह न केवल राष्ट्र के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के लिए भी हानिकारक है ii. इसे आत्मघाती मांग माना गया iii. यह अल्पसंख्यकों को स्थायी रूप से अलग-थलग कर देगा और उन्हें कमजोर बना देगा। iv. यह उन्हें सरकार के भीतर किसी भी प्रभावी कहने से वंचित करेगा। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg 418	3
24	**पुरातत्वविदों द्वारा वर्गीकरण के सिद्धांतों** i. वर्गीकरण का सामन्य सिद्धांत प्रयुक्त पदार्थों जैसे -पत्थर धातु अस्थि हाथीदांत मिट्टी, धातु, हड्डी, आइवरी आदि ii. उपयोगिता के आधार पर - औजार या आभूषण iii. आधुनिक समय में उसके प्रयुक्त वस्तुओं की समानता के आधार पर - म,के चक्कियां , पत्थर के फलक iv. पूरा वास्तु की उपयोगिता के उस सन्दर्भ के परीक्षण के आधार पर v. अप्रत्यक्ष साक्ष्यों के आधार पर जैसे मूर्तियों का चित्रण vi. रातत्वविदों ने हड़प्पा स्थल पर कपास के निशान जैसे अप्रत्यक्ष सबूतों के माध्यम से शोध किया। vii. पुरातत्वविदों ने मेसोपोटामिया में पाए जाने वाले सांस्कृतिक अनुक्रम और तुलना में जगह के संदर्भ में संदर्भ का फ्रेम विकसित किया है। vi। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं को उदाहरणों के साथ उचित ठहराया जाना चाहिए अथवा **हड़प्पा लिपि एक रहस्यमयी लिपि के रूप में**	Pg-22	**3**

	i. यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी ii. सबसे लंबे शिलालेख में लगभग 26 चिन्ह हैं। iii. 375-400 के बीच इसके कई संकेत हैं iv. यह लिपि वर्णमालिय नहीं थी v. यह लिपि दायी से बायीं और लिखी जाती थी vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या .	Pg-15	3
	PART- C		
25	**वी.एस. सुथंकर और सामाजिक इतिहास का पुनर्निर्माण** i. भारतीय संस्कृतिकर्मी वी.एस. सुथंकर ने महाभारत के आलोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का प्रयास किया। ii. देश के विभिन्न हिस्सों से ग्रंथों की पांडुलिपियों का संग्रह। iii. टीम ने प्रत्येक पांडुलिपि के छंदों की तुलना की iv. 13,000 पृष्ठों में छंद प्रकाशित। v. उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले कहानी के संस्कृत संस्करणों में सामान्य तत्व vi. क्षेत्रीय संस्करणों में क्षेत्रीय विविधताएं मिलीं vii. प्रभेद उन गूढ़ प्रक्रियाओं के शोधक है जिन्होंने प्रभशाली परंपरायो और लचीले विचार और आचरण के बीच संवाद कायम कर के सामाजिक इतिहासों को रूप दिया viii. संवाद द्वन्द और मतव्य को चित्रित किया हैबदलाव को फुटनोट और परिशिष्टों में प्रलेखित किया गया था ix. विभिन्नताओं ने स्थानीय विचारों और प्रथाओं के माध्यम से प्रारंभिक और बाद में सामाजिक इतिहास को आकार दिया x. इतिहासकारों द्वारा सामाजिक इतिहास के मुद्दों का पता लगाया गया था xi. पाली, प्राकृत और तमिल में रचनाओं से यह संकेत मिलता था कि प्रामाणिक संस्कृत ग्रंथों में निहित विचार पूरे आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त थे। xii. महाभारत के उदाहरण जैसे: परिजन पर आधारित परिवार, पितृसत्ता का आदर्श महत्वपूर्ण और मूल्यवान था, बहुविवाह और बहुविवाह जैसे विवाह के नियम प्रतिबिंबित होते हैं, महाभारत ने पुष्ट किया कि वर्ण व्यवस्था दिव्य मूल की थी xiii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	Pg 54	8

	समग्रता में मूल्यांकन **अथवा** **अछूतों का जीवन** i. व्यवस्था से बाहर के लोगों को ब्राह्मणों द्वारा अछूत कहा जाता था। ii. उन्हें अपवित्र माना जाता था। iii. वे लाशों और मृत जानवरों को संभालने जैसी गतिविधियाँ करते थे। iv. चांडाल कहा जाता था। v. पदानुक्रम के नीचे रखे गए थे। vi. मनुस्मृति ने चांडाल के कर्तव्यों को निर्धारित किया जैसे: उन्हें गाँव के बाहर रहना पड़ता था। vii. उन्हें छोड़े गए बर्तनों का उपयोग करना था। viii. मृत और लोहे के गहनों के कपड़े पहने। ix. वे गाँवों और शहरों में नहीं जा सकते थे। x. उन्हें गलियों में ताली बजानी पड़ी। xi. उन्हें जल्लाद और मेहतर के रूप में काम करना था। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्रता में मूल्यांकन	Pg- 65	8
26	मुगल दरबार की भौतिक व्यवस्था i. राज सिंहासन व तख़्त जिसे सम्प्रभुता की तरह देखा गया , एक ऐसा स्तम्भ जिसपर धरती टिकी हुई हो। ii. छतरी शासक की कांति को सूर्य की कांति से पृथिक करने वाली मानी जाती थी। iii. राजा के लिए स्थानिक निकटता द्वारा स्थिति निर्धारित की गई थी। iv. राजा की अनुमति के बिना किसी को जाने की अनुमति नहीं थी। v. दरबार में शिष्टाचार का पालन किया जाता था। vi. दरबारी समाज में सामाजिक नियंत्रण का व्यवहार दरबार में मान्य सम्भोधन , शिष्टाचार और बोलने के नियमो द्वारा होता था । vii. आत्मनिवेदन का उच्चतम रूप सिजदा या दंडवत लेटना था । viii. दरबार में राजनियक दूतो संबधी नयाचार में ऐसी ही सुस्पष्टता थी । ix. राजा द्वारा झरोखा दर्शन एक अनुष्ठान था। झरोखा दर्शन की प्रथा		

	थी जिसका उद्देश्य जन विश्वास के रूप में शाही सत्ता को स्वीकृति देना था x. प्राथमिक व्यवसाय दीवान-ए-आम में आयोजित किया गया और निजी चर्चाएँ दीवान-ए-ख़ास में । xi. ईद, शब-ए-बारात, होली, आदि जैसे अवसरों के दौरान दरबार जीवन से भरा था। xii. जन्मदिन के दिन, राजा को दान के लिए वस्तुओं से तौला जाता था । xiii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्रता में मूल्यांकन **OR** **फूलों के गुलदस्ते के रूप में शाही अधिकारी** i. प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ। ii. राजाओं के प्रति निष्ठा iii. तुरानी, ईरानी, अरब, तुर्क, तातार, रूसी और अन्य रईस साम्राज्य का हिस्सा थे। iv. राजपूत और भारतीय मुसलमान शाही सेवा में शामिल हुए v. विभिन्न साम्राज्यों के साथ वैवाहिक गठबंधन - vi. शिक्षा और लेखा के प्रति झुकाव रखने वाले हिंदू जातियों के सदस्यों को भी पदोन्नत किया गया था - उदा। राजा टोडर मल vii. ईरानियों ने जहाँगीर के अधीन उच्च पद प्राप्त किए viii. मनसबदारी व्यवस्था का पालन किया गया। ix. शाही संगठन एक महत्वपूर्ण स्तंभ था जो विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों से भर्ती किया गया था। x. तुरानी और ईरानियों ने मुगलों को अपने राजनीतिक प्रभुत्व में मदद की। xi. अभिजात वर्ग में भर्ती त्र जातीय व् धार्मिक समूहों से होती थी xii. अभिजात वर्ग को गुलदस्तेवके रूप में वर्णित किया गया है जो वागफदारी से बादशाह के साथ जुड़े थे xiii. अधिकारियो को संख्या विषयक ओहदे दिए जाते थे जैसे मनसबदारी अधिकार जिसमे ज़ात और सवार जैसे पद होते थे xiv. सैन्य अभियानों में ये भाग लेते थे xv. प्रांतो में साम्राज्य के अधिकारी होते थे xvi. बादशाह उनकी पदवियों और ओहदों का निरक्षण खुद करता था xvii. अभिजात वर्ग के कुछ लोगो के साथ मुदीद मुर्शिद के आधार पर आध्यात्मिक रिश्ते भी कायम किये	Pg- 237-241 Pg- 244 - 246	8 8

	xviii. शाही सेवा शक्ति, धन और उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करने का मार्ग थी। xix. मीर बख्शी, दीवान-ए-आला, सदर-हम-सुदुर महत्वपूर्ण मंत्री थे जो सलाहकार निकाय के रूप में एक साथ काम कर रहे xx. वे शक्तिशाली, अमीर और अच्छी तरह से प्रतिष्ठित थे। xxi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्रता में मूल्यांकन		
27	**" हालांकि भौगोलिक और राजनीतिक रूप से भारत दो में विभाजित है, दिल से हम कभी भी एक दूसरे की मदद और सम्मान करने वाले दोस्त होंगे। " गांधीजी द्वारा दिए गए कथन की व्याख्या करें-** i. गांधीजी ने स्वतंत्र और एकजुट भारत के लिए आजीवन लड़ाई लड़ी थी और फिर भी जब देश विभाजित हुआ तो आग्रह किया कि दोनों हिस्सों को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए और उनसे मित्रता करनी चाहिए। ii. गांधीजी दो राष्ट्रों और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सामंजस्य चाहते थे। iii. उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए उपवास किया। iv. उन्होंने सिखों, हिंदुओं और मुसलमानों से अतीत को भूल जाने और उनके कष्टों पर ध्यान न देने की अपील की। v. वह शांति चाहते थे। vi. उनकी पहल पर, कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के अधिकार पर एक प्रस्ताव पारित किया। vii. वह सभी भारतीयों को समान अधिकार प्रदान करना चाहते थे और भारत एक लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष राज्य होगा और सभी समान रूप से राज्य के धर्मनिरपेक्ष संरक्षण के हकदार हैं। viii. वह लोगों को आक्रामकता से बचाना चाहता था। ix. डी जी तेंदुलकर के अनुसार, "गांधीजी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंतित थे।" x. वह चाहते थे कि लोग सामूहिक रूप से समानता के लिए काम करें और बहुमत से वर्चस्व न रखें। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्र रूप से मूल्यांकन **या** **असहयोग आंदोलन ने धर्मों के बीच सद्भाव को बढ़ावा दिया और जन आंदोलन बनाया"**	Pg- 365-366	8

	i. हिंदुओं और मुसलमानों ने सामूहिक रूप से ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का प्रयास किया। ii. आंदोलन ने लोकप्रिय का एक विस्तार दिया। iii. इसमें त्याग और आत्म अनुशासन शामिल था। iv. रौलट सत्याग्रह और खिलाफत आंदोलन ने विरोधी भावना को बढ़ावा दिया। v. छात्रों ने स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। vi. वकीलों ने कानून की अदालत में उपस्थित होने से इनकार कर दिया। vii. मजदूर वर्ग हड़ताल पर चले गए viii. देहातों ने अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष दिखाया ix. आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने वन कानूनों का उल्लंघन किया x. अवध में किसानों ने करों का भुगतान नहीं किया xi. कुमाऊं में किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए भार उठाने से इनकार कर दिया xii. महिलाओं की भागीदारी xiii. स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ विरोध xiv. किसानों, श्रमिकों और अन्य लोगों ने गैर-बुलावा पर व्याख्या की और कार्रवाई की - औपनिवेशिक नियमों के अनुसार उनके हितों के अनुकूल सर्वोत्तम तरीके से सहयोग करें xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्र रूप से मूल्यांकन	Pg- 350-351	8
28	औरतो की बरामदी का मतलब क्या था		
28.1	**भारत के विभाजन के दौरान नरसंहार के दो कारण** a) सांप्रदायिक उन्माद b) सम्मान की रक्षा करना c) प्रशासन दंगों को नियंत्रित नहीं कर सका d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई दो बिंदु) २		
28.2	**सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिस नौजवान जोड़े को क्यों खोज रहे थे** ? a) अपहृत महिलाओं को वापस लाने के लिए ताकि उनका पुनर्वास किया जा सके b) दोनों विभिन्न समुदायों सिख और मुस्लिम से संबंधित थे।		

28.3	2 **क्या आपको लगता है कि अधिकारी लड़की को वापस लेने की कोशिश में सही थे? अपने उत्तर का समर्थन करने के कारण बताएं।** a) अधिकारियों को विवाहित जोड़े के निजी जीवन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। b) उनके अनावश्यक हस्तक्षेप के कारण लड़की की मृत्यु हो गई। 2 (छात्रों के विचारों को ध्यान में रखा जाए)	Pg-395	2+2+2=6
29 29.1 29.2 29.3	**थेरिगथा** **पुन्ना के विचारों को दो उदाहरणों से समझाइए।** i. वह ब्राह्मणवादी रिवाजों के खिलाफ थी। ii. उन्होंने बताया कि आध्यात्मिकता का सार शाश्वत आनंद में है। iii. उसने आत्मा की शुद्धता पर जोर दिया। (कोई दो बिंदु) २ **ब्राह्मण ने नदी में प्रतिदिन गोता लगाने के लिए क्या स्पष्टीकरण दिया** अपने दैनिक डुबकी के लिए औचित्य दिया i. स्नान के अनुष्ठान से बुराइयों को रोका जा सकता है। ii. पानी में नहाने से कुछ भी ठीक हो सकता है। 2 **बौद्ध दर्शन के मूल को स्पष्ट करें जो उनके गाथा के माध्यम से व्यक्त किया गया है।** i. बुद्ध ने जाति प्रथा और कर्मकांड की निंदा की। ii. बुद्ध ने लोगों से आध्यात्मिक अनुभव के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने का आग्रह किया। iii. संस्कार के बजाय आचरण और मूल्यों को महत्व दिया। (कोई दो बिंदु) २2	Pg-93	2 +2+2=6

30	**एक राक्षसी**		
30.1	**करिकमल अम्मियार ने खुद को सौंदर्य की पारंपरिक प्रकृति से अलग दर्शाया था।** i. उसने भगवान शिव की पूर्ण भक्ति प्राप्त करने के लिए अपनी सांसारिक सुंदरता को बहा दिया।		
30.2	ii. b) उसने खुद को राक्षसी, फूली हुई नाड़ियों वाली बहार निकली आँखों वाली सफ़ेद दांत, उभरा हुआ उदर, लाल केश , बहार निकले दांत , लम्बी पिंडली वाली दर्शायाI 2		
30.3	**अम्मियार की इस रचना ने पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती कैसे दी।** i. उसने भयभीत छवि लेने वाले पितृसत्तात्मक मानदंडों को परिभाषित किया। ii. उसने सामाजिक रूप से मान्य सुंदरता को अस्वीकार कर दिया। iii. उसने सामाजिक व्यवस्था की आलोचना की। (कोई दो बिंदु) २	Pg-145	2+2+2=6
	उसके सामाजिक दायित्वों के त्याग के किसी भी दो पहलुओं का विश्लेषण करें। i. शिव की महान भक्ति और अत्यधिक तप के लिए मार्ग अपनाया ii. महिलाओं की सदाचार के गुण iii. वह जंगलों में भटकने लगी जिसे उसने भगवान शिव का घर माना। iv. (कोई दो बिंदु) 2		

31	31.1, 31.2 -संलग्न मानचित्र देखें: **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** a) **बौद्ध धर्म के पवित्र स्थान (कोई भी तीन स्थान)** नागार्जुनकोंडा, सांची, अमरावती, लुम्बिनी, भरहुत, बोधगया, अजंता। **या** **मुगल शाही शहर।** (कोई तीन जगह) आगरा, लाहौर, फतेहपुर सीकरी, शाहजहानाबाद (दिल्ली)। b) **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन** (कोई तीन स्थान) चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद, बनारस, अमृतसर, चौरी चौरा, लाहौर, बारडोली, दांडी, बॉम्बे		1x6=6 1x3=3 1x3=3

प्रश्न सं. 31 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 31

61/4/1, 2, 3